**CBSE Test Paper 03**

**Ch-8 रहीम**

1. रहीम के अनुसार हिरन अपना सर्वस्व कैसे न्यौछावर कर देता है?
2. कवि रहीम ने लघु न दीजिए डारि के माध्यम से मानव को क्या शिक्षा दी है?
3. मिले गाँठ परिजाय - ऐसा रहीम ने किस संदर्भ में कहा है और क्यों?
4. अवध नरेश को चित्रकूट क्यों जाना पड़ा? रहीम के पद के आधार पर लिखिए।
5. नट किस कला में पारंगत होता है? रहीम ने उसका उदाहरण किस लिए दिया है?
6. व्यक्ति को अपने पास संपत्ति क्यों बचाए रखना चाहिए? ऐसा कवि रहीम ने किसके उदाहरण द्वारा कहा है?
7. रहीम ने अपने दोहों में छोटी वस्तुओं का महत्त्व प्रतिपादित किया है। इसे सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
8. विपत्ति में हमारा सहायक कौन बनता है? रहीम के दोहों के आधार पर उत्तर दीजिए।

**CBSE Test Paper 03**
**Ch-8 रहीम**

## Answer

1. रहीम के अनुसार हिरन नाद पर प्रसन्न होकर अपना सर्वस्व न्यौछावर कर देता है।

2. कवि ने 'लघु न दीजिए डारि' के माध्यम से मानव को शिक्षा दी है कि इस संसार में सबकी अपनी-अपनी विशेष उपयोगिता है। जहाँ बड़े काम नहीं आते, वहाँ छोटे काम आते हैं। बड़ों के महत्त्व के सामने छोटों के महत्त्व को कम नहीं समझना चाहिए।

3. 'मिले गाँठ परिजाय' ऐसा रहीम ने प्रेम संबंधों के बारे में कहा है, क्योंकि प्रेम संबंधों की डोर बड़ी नाज़ूक होती है। एक बार टूट जाने पर जब इसे जोड़ा जाता है तो मन में मलिनता और पिछली बातों की कड़वाहट होने के कारण एक गाँठ-सी बनी रहती है।

4. अवध नरेश श्री राम पर संकट आने पर यानि वनवास के दौरान वे कुछ समय के लिए चित्रकूट आ गए थे।

5. नट कुंडली मारकर अपने शरीर को छोटा बनाने की कला में पारंगत होता है। रहीम ने उसका उदाहरण दोहे की विशेषता बताने के संदर्भ में दिया है। दोहा अपने कम शब्दों के कारण आकार में छोटा दिखाई देता है परंतु वह अपने में गूढ़ अर्थ छिपाए होता है।

6. व्यक्ति को अपने पास संपत्ति इसलिए बचाए रखना चाहिए क्योंकि उसकी अपनी संपत्ति ही विपत्ति में उसके काम आती है। इसके अभाव में अपना कहलाने वाले भी काम नहीं आते हैं। कवि ने इसके लिए जलहीन कमल और सूर्य का उदाहरण दिया है।

7. कवि रहीम को लोक जीवन का गहरा अनुभव था। वे इसी अनुभव के कारण जीवन के लिए उपयोगी वस्तुओं की सूक्ष्म परख रखते थे। उन्होंने अपने दोहे में मनुष्य को सीख दी है कि वह बड़े लोगों का साथ पाकर छोटे लोगों की उपेक्षा और तिरस्कार न करें, क्योंकि छोटे लोगों द्वारा जो कार्य किया जा सकता है, वह बड़े लोग उसी प्रकार नहीं कर सकते हैं; जैसे सुई की सहायता से मनुष्य जो काम करता है उसे तलवार की सहायता से नहीं कर सकता है। सुई और तलवार दोनों का ही अपनी-अपनी जगह महत्त्व है।

8. रहीम दास जी कहते हैं कि जिसके पास अपना कुछ नहीं, दूसरे भी उसकी सहायता नहीं कर सकते। संसार में अपनी सम्पत्ति अपनी योग्यता के बिना कुछ भी प्राप्त नहीं होता। अत: मुसीबत के समय अपने आत्मबल को बनाए रखना चाहिए। जिस तरह सूखते हुए कमल को जल ही बचा सकता है। जल ही जलज का जीवन है। सूरज की ऊष्मा नहीं। कमल जल में से जन्म लेता है। जल के न होने पर सूरज भी कमल को जीवन दान नहीं कर सकता।